समाजवादी विचारधारा के प्रखर विचारक थे लोक बंधु राजनारायण

अच्छे नेता हम लोगों के बीच में सूक्ष्म रूप में सदैव रहेगे : डॉ सत्येंद्र।

अनुज राजपूत

लखनऊ बक्शी का तालाब स्थित चंद्रभानु गुप्त कृषि स्नातकोत्तर

महाविद्यालय के कैंपस में स्थित लोकबंधु राजनारायण छात्रावास में स्थापित उनकी प्रतिमा पर छात्रावास अधीक्षक डॉ सत्येंद्र कुमार सिंह ने पुष्पांजलि एवं माल्यार्पण कर 37वीं पुण्यतिथि मनाई और कहा कि लोकबंधु जी सच्चे समाजवादी एवं कट्टरवादी स्वभाव के नेता थे ऐसे सच्चे संत सदैव सूक्ष्म रूप में हम लोगों के बीच में उपस्थित रहते हैं। चन्द्रभानु गुप्त कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय बक्शी का तालाब के संस्थापक प्रबंधक श्रद्धेय बाबू भगवती सिंह जी कहा करते थे की लोकबंधु जी से हमारे बहुत घनिष्ठ संबंध थे उनकी विचारधारा अलग हटकर थी और एक सच्चे समाजसेवी थे। बहुत जल्दी गुस्सा हो जाते थे। समाज के विरुद्ध हो रहे गलत कामों के लिए वह धरना प्रदर्शन करते थे जिस कारण उस समय की मौजूदा सरकार के पास सिर्फ एक रास्ता रहता था कि उन्हें जेल में डाल दिया जाए 80 से अधिक बार वह जेल गए। लोकबंधु राजनारायण ने वर्ष 1977 में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को रायबरेली से चुनाव में पराजित किया और केंद्र में प्रथम गैर कांग्रेसी सरकार का गठन हुआ। इस सरकार में राजनारायण स्वास्थ्य मंत्री बने। मूल रूप से मोतीकोट गंजारी में जन्मे राजनारायण ने वर्ष 1971 में रायबरेली में इंदिरा गांधी के खिलाफ चुनाव लड़ा था और वह हार गए। इसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की और न्यायालय ने इंदिरा गांधी की जीत को अवैध करार देते हुए उनके छह वर्ष तक चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी थी। इसके बाद तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी ने इमरजेंसी की घोषणा कर दी थी। 69 साल के जिंदगी में वे 80 बार जेल गए। वह एकमात्र ऐसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे, जो देश के स्वतंत्रता आंदोलन में जेल गए थे और उससे अधिक स्वतंत्र होने के बाद जेल गए। कृषि महाविद्यालय के संस्थापक प्रबंधक ने महाविद्यालय परिसर में उनके नाम से लोकबंधु राजनारायण छात्रावास की स्थापना की थी इसमें लगभग 200 से अधिक अंतरूवासी छात्र निवास करते है। पुण्य तिथि के अवसर पर महाविद्यालय के कनिष्क रणजीत सिंह, चंद्रशेखर, पवन, राकेश बाजपेई, रिंकू रावत, रामप्रकाश, प्रदीप कुमार सिंह सीनियर छात्र प्रखर राय सहित छात्रावास के सभी छात्रों ने उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किये ।